(घ) मंत्रालय में अंग्रेजी और द्विभाषी कम्प्यूटरों की संख्या क्रमशः दस और एक है।

राजभाषा अधिनियम के उपबन्धों का कार्यान्वयन

246. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह पता लगाने के लिए कभी कोई प्रयास किया गया है कि राजभाषा अधिनियम के उपबन्धों और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के वार्षिक कार्यक्रम का शत-प्रतिशत कार्यान्वयन अभी तक क्यों नहीं किया गया है ;

(ख) राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों तथा हिन्दी अनुभाग की फाइलों को छोड़कर ऐसी फाइलों की संख्या कितनी है जिनमें राजभाषा में, अर्थात् हिन्दी में काम किया जा रहा है;

(ग) मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के कितने उपक्रम काम कर रहे हैं और प्रत्येक उपक्रम में राजभाषा से संबंधित कार्य के बारे में क्या स्थिति है; और

(घ) मंत्रालय में हिन्दी, अंग्रेजी और द्विभाषी कम्प्यूटरों, टेलेक्सों, टेलीप्रिंटरों आदि की संख्या कितनी है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति और रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठकों में समय-समय पर राजभाषा अधिनियम के उपबन्धों और वार्षिक कार्यक्रम के शत-प्रतिशत कार्यान्वयन के सम्बन्ध में मूल्यांकन किया गया है और इन मूल्यांकनों के दौरान पायी जाने वाली कमियों की ओर संबंधित अनुभागों/विभागों का ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

(ख) बोर्ड कार्यालय के राजभाषा निदेशालय को छोड़कर विभिन्न निदेशालयों/अनुभागों की 200 से भी अधिक फाइलों पर हिन्दी में टिप्पणियां लिखी जाती हैं।

(ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

(घ) रोमन के 4 कम्प्यूटर, 12 पर्सनल कम्प्यूटर, 1 टेलेक्स, 1 वर्ड प्रोसेसर, 20 इलेक्ट्रानिक टाइपराइटर और 10 टेलीप्रिंटर हैं। 4 इलेक्ट्रानिक टाइपराइटर तथा एक एक वर्ड प्रोसेसर द्विभाषी हैं। इसके अलावा, देवनागरी का एक टेलीप्रिंटर भी उपलब्ध है।

रोमन के मौजूदा पर्सनल कम्प्यूटरों को द्विभाषी रूप में बदलवाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

राजभाषा अधिनियम के उपबन्धों का कार्यान्वयन

247. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **जल-भूतल-परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह पता लगाने के लिए कभी कोई प्रयास किया गया है कि राजभाषा अधिनियम के उपबंधों और हिन्दी के प्रभावी प्रयोग के वार्षिक कार्यक्रम का शत प्रतिशत कार्यान्वयन अभी तक क्यों नहीं किया गया हैं;

(ख) राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष और सदस्यों तथा हिन्दी अनुभाग की फाइलों को छोड़कर ऐसी फाइलों की संख्या कितनी है जिनमें राजभाषा में, अर्थात् हिन्दी में काम किया जा रहा है;

(ग) मंत्रालय के अधीन सरकारी क्षेत्र के कितने उपक्रम काम कर रहे हैं और प्रत्येक उपक्रम में राजभाषा से संबंधित कार्य के बारे में क्या स्थिति है; और